TECHE
UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4472**

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

॥श्रीसारदायनमः॥ कातीमहीने दीवालीपछै सूरजकागत ह्वे आथमते जिकोरात न हुवे तिका आगलावरस
रीखरीरितुवंती आखीकहीजै मिगसरमहीनेअंधार हुवे तिकोरिक्तसनातनकहीजै पोसमहीनेमूलनखत्रे सूरज
आथोतगाथीसूर्य रादसमहानखत्रमांहि गभीनवारजपजे जिणदिनेगरजेतपनो तिणदिन हुंती साढेबरस
हीनेवर्षा हुवेगा नीलबलं॥ घणोवायवाजे आदलां हुवे बीजलीचमके गाजेमेह वरसे संध्याराग हुवे उगते
आथमते सूर्यचंद्रमाहतोनो कुंडालो होय हेमजमेगभांपहे इंद्रधनुषहुवे इणमांहि नोकाई थोक हुवे
तोगर्भेतपनोकहीजे माहमहीनेवायबादलमेह हुवे तिकोमोहनोकहीजे फागुणेवायुवाजे तिकोमे
हरूपछत्रबधतोकहीजे चेतमहीनेगाजबीज हुवेमेह हुवेतो गर्भगल्योकहीजे वेसाखमहीनेपंचवर्णीबा
दल हुवे आंतापहे गर्भसतनबधे जेठमहीनेधूणताबहातपे लूवाजे तिमगर्भवधतोकहीजे आसाढ
महीनेधुलबीजतारक नरक जिमसबी जणारी करेतिम मेघ रूपसुखे पुत्र जन्मे हिवेबारमहीनाराउ(?)र
थकहेछे॥ कातीसुदि५ सोमक धम्परसु काएवार नजायु गालै हुवे आदीतकरवरो मंगलनरोगचालो
त्रानीसरवार हुरजिकापहे कातीसुदि११।१२।१३ वरसेतो जेठवदि मेरा हालिवरसे इग्यारस नवमिसा
तमिपांचमएतिथेबीजगाज हुवेतो जेठवदिमे वरसात हुवे॥ अथ मगसिर विचार॥ मिगसरमहीनै वृहस
तिकरुगेतो दुर्भिक्षपहे उजवालीट उत्तराबायबाजेतो सुगाल मिगसरपोहफागुणउजवालीपन
तियटूटेतो नक्षत्रबहुतो गोकुंराखीजे घणोलाभ हुवे मिगसर ११२ दिनेबुध आथमेतो सोगालहु
वे आगलेवरको मिगसरवदि२ आघा हुवे कुनवेसु हुवेतो निपतघणी मिगसरमा सेरकेपखमां 1

हेमुक होगे आथमे तो प्रजा घणो दुख पावे तो नाली विगडे मगसिर वदि ८ चित्रा हुवे तो कलो हुणो मो
लवां मे मगसिर वदि १४ स्वात नक्षत्र हुवे तो श्रावण मे ह वरसे ॥ पोस महीने बादल गाजबीज हु
वे तो आसाढ मे ह वरसे न पावो हसकदि [illegible] गाजबीज हुवे तो आसाढ मे ह हुवे पोसरी अमावस्या दि ११
१५ गाजबीज हुवे तो इनही घडी मे पूरी हुवे अमावस मे ह घणो पोह सुदि ६ मे ह वरसे तो नाहिवादि मे
मे ह वरसे पोसरी रन मघा नक्षत्र हुवे तो [illegible] मुंहगा पोस वदि १० बुधवार हुवे तो जेठ महीना मुं
हगो हुवे पोस सुदि १०।११ बादलो बीज दिषणी वाय बाजे तो [illegible] पोस वदि १३ बादल
हुवे तो श्रावण अमावस हुती [illegible] पोसरी अमावस मूल नक्षत्र हुवे तो मास [illegible]
रसे पोस अमावस शनीवार हुवे तो धान विमणो मोल हुवे [illegible] ॥ नाना
माह महीने [illegible] घणो [illegible] मे ह हुवे तो [illegible] ॥ माह वदि १ शनी [illegible] हुवे तो घ
णो धान नीपजे माह वदि १२।१३ गाजबीज मे ह हुवे तो किराणो मुंहगो [illegible] हुवे माह सुदि १ वा
य बादल हुवे तो पान [illegible] हुवे ॥ माह सुदि ३ बादल गाज हुवे तो [illegible] करणो आगो घ
णो नाज हुवे माह सुदि ४ बादल हुवे तो नालेर मुंहगा हुवे। [illegible] पंचमी वाय बादल हुवे
[illegible] मे ह न वरसे माह सुदि ६ गाजबीज न हुवे तो कपास मुंहगो हुवे माह सुदि ७ मे ह [illegible]
माह सुदि ८ निरमली [illegible] माह सुदि ९ [illegible] हुवे तो आसाढ [illegible] मा
ही [illegible] निरमली [illegible] हुवे पहिले [illegible] हुवे तो [illegible] जे श्राव
णती जे [illegible] माही [illegible] ग्रहण हुवे भूकंप हुवे [illegible]

हुवे तो [illegible] ओर [illegible] मे ह हुवे [illegible] हुवे तो [illegible] महीने मे ह न वरसे [illegible]
फागुणरी पांचम मंगलवार हुवे तो आगे मे ह घणो हुवे फागुण महीने [illegible] हुवे तो [illegible]
[illegible] मे ह [illegible] फागुणरी वार [illegible] बुधवार हुवे [illegible] फागुण सुदि १४।१५ बादलो करे
तो आगे मे ह [illegible] फागुण वदि १ वाय बादल हुवे तो किराणो [illegible] ॥ श्रावण महीने [illegible] हुवे फा
गुण वदि ५ चित्रा नक्षत्र हुवे तो [illegible] फागुणरी [illegible] हुवे तो [illegible] फागुण सुदि [illegible]
[illegible] हुवे तो जेठ महीने [illegible] हुवे फागुण वदि ११।१२ गाजबीज हुवे तो [illegible] मे ह घणो [illegible]
[illegible] हुवे फागुण सुदि १ [illegible] हुवे जितरी [illegible] तितरा [illegible] हुवे घणो [illegible] फागुण सु
दि [illegible] हुवे नवमीरो [illegible] हुवे [illegible] महीने धान मुंहगो हुवे [illegible] वार हुवे तो [illegible] मुंहगो करे
[illegible] हुवे तो [illegible] गाज [illegible] हुवे बादलो हुवे तो [illegible] फागुण [illegible] हु
[illegible] हुवे चैत्र वदि [illegible] हुवे तो [illegible] चैत्र सुदि मे गाजबीज मे ह हुवे
तो [illegible] आसाढ न वरसे [illegible] वरसे तो
श्रावण न वरसे [illegible] वरसे तो [illegible] वरसे तो आसु [illegible] चैत्र सुदि प
[illegible] वरसे तो [illegible] वरसे [illegible] चैत्र सुदि १ र [illegible] मंगल हुवे तो [illegible]
हुवे [illegible] वरसे तो पाणी नही [illegible] वरसे तो [illegible] वरसे
तो [illegible] वरसे तो [illegible] चैत्र सुदि १० मघा नक्षत्र ने [illegible] वार हुवे [illegible] हुवे
2

जवदि १२ चेत्र सुदि १२ बुधवार हुवे तो ३।जो धान मोंहगो हुवे वैसाख वदि ७ वा ८ न हुवे तो राती वा
स्मोहगो मीन थंकात सनिसरवार हुवे तो दुर्भिक्ष वैसाख वदि ८।१४ उत्तरवाय वाजे तो दुर्भि
दिखणी वाजे तो सुगाल वैसाख वदि १ मेह हुवे तो सुगाल वैसाख सुदि ११।१२।१३ वरसे तो
राजविग्रह दुर्भिक्ष हुवे वैसाखी पूनम वरसे तो जा हुवे धान मुंहगो हुवे आषाली जरो हिण हु
वे तो सुगाल नेकुने महीतो जुको वैसाख वदि २ मंगल … तो कातीमहीने रोग हुवे वैसाख सुदि ५।
या नक्षत्र हुवे तो किराणो सर्व मुंहगो करे मेह घणो सुगाल हुवे वैसाखी पूनम दिने सूरवादि से मेह
रोआरज दिसे तो रखा रादिन दर सूरो वायना जे तो आइवेधान मुंहगो वैसाखी १५ सूरवे वामना जे तो
गरामे मेह वरसे वैसाख वदि ७ रेवती हुवे तो सुगाल न रली तो दुकाल वैसाख सुदि २ जेठ सु
दि २ सर्वे ३।प्रमती बेलाजोइजे उत्तरादिया हुवे तो सुगाल नउतर ३।प्र मेतो सुगाल न ३।बाती जुरोहि
ण गहन सुगाल हुवे ३।बा तीज चन्द्रमा ऊपर रोहिणी हुवे तो जलनी बलेरो हिण पीनतर दिशा ने रमा
नलोरकाल नंदो जेठ रा … जेठ वदि ८ मेह हुवे तो च्यार मास वरसाता जो २जे जेठ वदि २ मूल
वरसे तो मूल नक्षत्र विलाग नि वरो बले जेठ री पूनम मूल नक्षत्र हुवे तो जलो बरसे तो ३ तवि णवो
कहीजे वरसाले मेह न वरसे जेठ वदि माहे दिन ३ ३।शा वरसे तो वरसाले ग्रीष्म नक्षत्र ता ३ व
रसे तो रहे जेठ वदि माहि स्रवण धनिष्ठा वरसे तो वरसाले मेह न वरसे दुकाल हुवे जेठ रो ३
मा नरम पूर्व ३।प्र मसो देखीजे जेठ सुदि २ चन्द्रमा ३।प्रमतो जो इजे जीमणो … ३ मा सु ३।
प्रमे तो महासुगाल दक्षण दिसे ३।प्र मेतो दुकाल माथे ३।प्र मेतो करवरो … हुवे रोहणी रे २
रवियें मोहे दिना ३ मो रोहणी नक्षत्र ३।वे तो जलो महासुगाल हुवे रोहणी नपेतो सुगाल हुवे॥

रोहण मध्ये देख पहे तो मेह नहीं जेठ सुदि २ वरसे तो यामा सावरो हुवे जेठ री निर्जला ११ जि
तरी घड़ी हुवे ती यणा आत जो इजे सुध घड़ी काढ़ीजे आते जो गेहीं जे १।१२ उगरे तो समो जलो
ती न विण जलो ३।५।म प्रम बी ३ ने सुन्य हुवे तो दुकाल जेठ सुदि १२।१३।१४।१५ ऊ दिने मेह हु
वे तो आछो नहीं जेठ वदि ११ रेवती हुवे तो सुगाल न ३२ दुकाल जेठ सुदि मे वृष संक्रांति लागे तिण दि
ने वरसे तो सुगाल जेठ उनमस ३ दीत वार जलो … म दिने … नि वार … ।३।प्रा
ढ वदि १ गाजे तो वरसाले मेह नहीं ३।प्राढ वदि २।४।१२ बिमांक सुपवार … नहीं … नि वार र
विलाव ३।जो नहीं वीजाय पवरा ३।प्राढ वदि ८ चन्द्रमा वाढ़े वा यो हुवे तो जलो सुगाल हुवे निर्मलो
हुवे तो दुकाल ३।प्राढ वदि १० काली रोहणी सुगाल इग्यारस करबरो बारस दुकाल चवदस मा ५
मावस्या सुगाल मगसर वा जे तो जलो तपे तो जल को वे यता २ दिता मे वरसे तो घणो मेह वरसे ३।
गर दिनामे वरसे तो न वरसे चौमासो तीजे ३ … ६ चाय दो य दिना मे वरसे तो ती …
५ मे मूवरारी … २ दिना मे वरसे तो देस मे कर करे … ३ के पुरक … ३।प्रा
ढ सुदि ५ गाजे तो आइवेधान मुंहगो ३।३ लागतो वरसे तो जलो म जातल … गे तो दुकाल मध्या क
से भया लागे तो करवरो ३धिरा ते लागे तो सुगाल ३।प्राढ सुदि ९ गाज बीज हुवे तो सुगाल स्वाति
नक्षत्र हुवे तो जलो देवरो … इग्यारस मंगल हुवे तो करवरो … बारस काल बीज … जलो ३।प्राढ
पूनम उत्तराषाढा हुवे तो सुगाल सर्वत्र पूनम मरी मा … धी वाय जो ३ जे उत्तर २ ईशान पूरव वा
य सुगाल ३ गिनदक्षिण नैरति पवायरो दुकाल पश्चिम वायव्य करवरो इतना लो हुवे ३।प्राढ सुदि
११२ वरसे तो मेह घणो हुवे ३।प्राढ सुदि ७।८।९ वरसे तो जलो ३।प्राढ वदि ११ रोहणी नक्षत्र हुवे
तो वरसाती हुवे तो जलो … ३।प्राढ सुदि ८ पाव र सतो ३।प्राढी १४ सोम … ३।प्राढी …
बार हुवे मेह वरसे तो जलो … लागता पंचक वरसे तो जलो चौमासो … कतो ३
जलो कर्क संक्रांति जल रा सिने २ मा हुवे कर्क मकर कुंभ मीन ए जल रा ये ने २ हुवे तो दुकाल

कंतितांई बरसे ककैरी। में कंतिनागतीपहनी मेह बरसे तो जलो ऽदीन मूंगलन लोगे तो कुरवरोया
बरलागेतो डुर्भिख्य बीजलीहार सुगाल आवलसुदि ५ चित्रा स्वाति विसाषा बरसे तो मेह घणा
आवलवादि मे ऽअषनी बरसे तो सुगाल आवलमे कंहरा मेरुक करे तो मे हन बरसे बरसे तो
घलोलीजबर के दिन ऽ।सककोनीरोग करै आवलवादि ने उदयास निर्मल लीजली ऽ।आनसंच करे
तो धान सुहगो करै ऽषाढ नाडुवासिका। नाडुवावदि १ श्रवण नक्षत्र आवे तो सुगाल नाडुवासुदि १०
मूलनक्षेत्र ऽदीतवार आवे तो जलो किंह यंकंति आगापहिली गाज बीज बरसे तो दुकाल
यंकंति आगी पछी मेह आवे सरव दिसा वाय वाजे मेह घणा आवे पिणरोग घणा लोग मरे ८। दिवा
ह पछम बाजे तो दुकाल उतर बाजे तो सुगाल नाडुवावदि ७।८। न बरसे तो केरनेरा नाडु
वावदि ८ रोहिणी आवे तो जलो ऽने रोहणी चंद्रमा उतर हरषादि पी नी कहे तो जलो बीजे दसा
निपट नाडुवावदि १३ रविवार आवे तो दुर्भिक्ष नाडुवावदि ४ प्यावर आवे तो मेह नहीं सिंघ घणी
कंति आगा पडे ऽ।स्ति १८।ऽघ २२ उगे तो मेह नहीं २०।२१ उगे तो मेह घणा दिन ... जो तो
जेम्हो सालेजू मो ऽपषऽस्तु बिका। ऽ।सुवदि १ बुधवार आवे रेवती न होवे सुगाल ऽ।सुसुदि ५
मेह दीसे तन मन हस्त नक्षत्र सोमवार दुर्भिक्ष ऽ।सुवदि १ सनीसरवार आवे तो ऽजे धान सुहै
गो आवे ऽ।सुसुदि ८ बुधवार आवे तो कानी में धान सुहगो ऽ।सुसुदि ४ मंगल आवे तो कंठ
र मानस्योकोवे नमा हि मान सुहगो ऽ।सुसुदि १० मंगलवार आवे तो रोग आवे ५ ऽ।सुसुदि २ मंग
लन आवे तो नायवालो आवे ऽ।सुसुदि ५ दीतवार आवे तो माहमे धान सुहगो आवे इति नक्षत्री

३